प्रारम्भ

वर्ष–24, अंक: अप्रेल 2020–मार्च 2021

सिकोईडिकोन परिवार की पत्रिका

कोरोना महामारी में संस्था के प्रयास

कोरोना महामारी में राहत व जागरूकता के कार्य

कोरोना महामारी से भारत सहित पूरी दुनिया प्रभावित हुई। लोगों के रोजगार और खाद्यान्न का संकट खड़ा हुआ। पलायन कर मजदूरी करने वाले श्रमिकों तक राहत पहुँचाना और ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना के खतरों व इससे बचाव के उपायों की जानकारी देना सबसे प्राथमिक आवश्यकता थी। इस कार्य में सिकोईडिकोन संस्था, किसान सेवा समिति व युवा मंडल के सदस्यों ने एकजुट होकर एक अभियान के रूप में कार्य किया। कोरोना की वजह से दूर–दराज शहरों से वापस अपने गॉव लौटे मजदूरों को चिन्हित कर, स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर उन तक खाद्यान्न सामग्री पहुँचाई गई। किसान सेवा समिति ने स्थानीय स्तर पर अनाज एकत्रित कर जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचाया।

कोरोना महामारी के खतरों व बचाव के उपायों से जुड़ी जानकारी स्थानीय लोगों तक उपलब्ध करवाने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके तहत् व्यापक स्तर पर मास्क व सेनेटाइजर वितरण का कार्य हुआ जिसमें युवा संगठनों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। लोगों को सही जानकारी उपलब्ध करवाने हेतु कोरोना की महत्वपूर्ण जानकारियों को शामिल कर पोस्टर छपवाये गए व सार्वजनिक स्थलों पर लगवाए गए। गलत जानकारी व अफवाहों से बचने के लिए ऑनलाइन संदेश मोबाइल के माध्यम से स्थानीय समुदाय तक भेजे गए। राहत कार्यों में ही सिकोईडिकोन संस्था द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 लाख इक्कावन हजार रूपए की राशि चाकसू के उपखण्ड अधिकारी के माध्यम से भेंट की।

जल संवाददाता – युवाओं के साथ एक नई पहल

समुदाय आधारित संगठनों का क्षमतावर्धन का कार्य सिकोईडिकोन की रणनीति का केंद्र रहा है। बदलती परिस्थिति के अनुरूप आज तकनीकी युग में संवाद के उभरते नए–नए माध्यमों की जानकारी व उसके अनुरूप दस्तावेजीकरण की समझ आव यक है। आज का युवा तकनीकी संचार माध्यमों के उपयोग से सामाजिक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इसी विचार को मद्देनजर रखते हुए सिकोईडिकोन द्वारा युवा वर्ग के साथियों को जल संवाददाता के रूप में तैयार करने की पहल की गई। इस पहल के तहत् स्थानीय पंचायतों के सक्रिय युवा साथियों के समूह बनाकर उन्हें डिजिटल संचार के माध्यमों की जानकारी देना, दस्तावेजीकरण को बेहतर करने हेतु प्रेरित करने व मुद्दों की प्राथमिकता तय करने हेतु उनका क्षमतावर्धन करना है। तकनीकी जुड़ाव के साथ समुदाय के साथ संवाद इस विचार के केंद्र में है। इस कार्य हेतु चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद के युवाओं को चिन्हित कर उनके साथ स्थानीय स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी है।

जल संवाददाताओं के साथ दो दिवसीय कार्यशाला :–

सिकोईडिकोन के चाकसू स्थित परिसर में जल संवाददाता समूह के सथ दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 9–10 नवम्बर 2020 में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य युवा समूहों में नेतृत्व निर्माण को विकसित करना व दस्तावेजीकरण को सुदृढ़ करना था। कार्यशाला में डॉ. शिप्रा माथुर ने संवाद की विभिन्न विधाओं पर युवाओं से चर्चा की। पैरवी के निदेशक श्री अजय झा ने वीडिया व फोटो दस्तावेज की बारीकियों व इनकी सामाजिक विकास कार्यों में उपयोगिता पर सत्र लिया एवं अभ्यास के माध्यम से जानकारी दी।

सिकोईडिकोन संस्था की श्रीमती श्वेता तिवारी ने यू एन एफ पी ए के सहयोग से संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ परियोजना के प्रेरक अनुभवों को युवाओं से साझा किया। कार्यशाला के अंतिम दिवस पर संस्था के श्री गोविंद विजय ने संगठन निर्माण व दस्तावेजीकरण पर युवाओं के साथ चर्चा की। इस दो दिवसीय कार्यशाला में खेल–कूद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी युवाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में करीब 50 जल संवाददाताओं ने भाग लिया।

नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का आमुखीकरण

किसान सेवा समिति के साथ स्थानीय पंचायत जनप्रतिनिधियों की साझेदारी महत्वपूर्ण रही है। स्थानीय स्तर के मुद्दों व समस्याओं के निराकरण की विभिन्न प्रक्रियाओं में किसान सेवा समिति द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। राजस्थान में हुए पंचायत प्रतिनिधियों के चुनाव के बाद सिकोईडिकोन व किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में नव–निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को स्थानीय विकास के मुद्दों से अवगत करवाना एवं पंचायतराज में सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहन देना है।

यह आमुखीकरण सिकोईडिकोन के कार्यक्षेत्र चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय सरकारी अधिकारियों की भी भागीदारी रही। नव निर्वाचित सरपंचों ने इस अवसर पर संस्था व किसान सेवा समिति को विकास के स्थानीय मुद्दों पर सहयोग करने का पूर्ण आश्वासन दिया।

संगठनों का शैक्षणिक भ्रमण

संस्था द्वारा प्रतिवर्ष सामुदायिक जन संगठनों की सीख व समझ को विकसित करने हेतु एक शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष कोरोना की वजह से बडे समूह का भ्रमण संभव नहीं हो सकता था। अतः परिस्थितियों व सरकारी दिशा–निर्देशों को ध्यान में रखते हुए किसान व युवा संगठनों के छोटे–छोटे समूहों को जयपुर स्थित राजस्थान गौ सेवा संघ में भ्रमण हेतु भेजा गया। यहाँ किसान समूहों ने गौशाला, जैविक खेती, बायोगैस प्लांट व जैविक औषधियों का अवलोकन किया व पशु प्रबंधन और जैविक कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया को साझा किया।

भ्रमण के अतिरिक्त दो विशेष सत्रों का भी आयोजन किया गया, जिसमें जैविक खेती से जुड़ी विभिन्न पद्धतियों पर विशेषज्ञों के साथ किसानों ने चर्चा की।

राजस्थान में हुए टिड्डी दलों के हमले पर वेबिनार

राजस्थान में मई, 2019 से लेकर अप्रेल, 2020 तक अलग–अलग चरणों में हुए टिड्डी दलों के हमले ने खेती–किसानी को भारी नुकसान पहुँचाया। इस बार हुए ये हमले केवल राजस्थान ही नहीं बल्कि गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश तक विस्तारित हुए।

इन टिड्डियों के हमलें के प्रभाव, नुकसान व इनसे निपटने के तरीकों पर चर्चा– विमर्श करने हेतु दो कड़ियों में वेबिनार का आयोजन किया गया। पहली कड़ी (5 जून, 2020) में किसान संगठनों व स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों ने इस मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त किए। पश्चिमी राजस्थान के किसानों ने बताया कि टिड्डियों के हमले से जीरे की फसल में भारी नुकसान हुआ। इस अवसर पर विशेषज्ञों का मानना था कि टिड्डियों के हमले का सरकार द्वारा आपदा घोषित करना चाहिए व किसानों को नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

दूसरी कड़ी में इस विशय पर वेबिनार का आयोजन 21 अगस्त, 2020 को किया गया, जिसमें दक्षिण एशिया जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र के संस्थापक निदेशक श्री भागीरथ चौधरी ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्‌बोधन किया। उन्होंने टिड्डियों की आंतरिक संरचना, उनके पनपने के कारण, नुकसान व उन पर नियंत्रण करने के उपायों पर चर्चा की। इस चर्चा में यह भी विचार उभरकर आया कि वर्ष 2020 में हुए टिड्डी हमले के सामाजिक व आर्थिक प्रभावों को समझने के लिए एक अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी अधिकार बनाने की वकालत की देवेन्द्र शर्मा ने

जब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी अधिकार के रूप में दर्जा नहीं दिया जाएगा तब तक किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होना संभव नहीं होगा। ये कहना था सुप्रसिद्ध कृषि विशेषज्ञ श्री देवेन्द्र शर्मा का, जिन्होंने 29 जुलाई, 2020 को सिकोईडिकोन द्वारा आयोजित ऑनलाइन किसान संवाद में अपने विचार व्यक्त किए। इस संवाद कार्यक्रम में बोलते हुए श्री देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि वर्तमान में सिर्फ 6 प्रतिशत किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ ले रहे हैं। यदि एम एस पी को कानून का दर्जा मिल जाता है तो कोई भी व्यक्ति या व्यापारी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही खरीद के लिए कानूनी रूप से बाध्य होगा, जिसका लाभ किसानों को मिलेगा और उससे बिचौलियों का प्रभाव भी कम होगा। उन्होंने देश में मंडियों की संख्या व स्थिति को सुधारने के लिए भी मंडी तंत्र को मजबूत करने की पैरवी करते हुए कहा कि देश में करीब चालीस हजार मंडियों की आवश्यकता है जबकि वर्तमान में केवल 7500 रजिस्टर्ड मंडिया है। राजस्थान सहित देश के करीब 10 राज्यों के किसान संगठनों, जनसंगठनों व स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस संवाद में भाग लिया।

खेती–किसानी के मुद्दों पर वेबिनार –

केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए कृषि अध्यादेशों पर चर्चा करने के उद्देश्य से 18 सितम्बर, 2020 को ऑन लाइन कृषि संवाद का आयोजन किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामपाल जाट मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा पारित तीन कृषि अध्यादेशों में पहला कृषि उत्पादन, व्यापार और वाणिज्य अध्यादेश, दूसरा आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन व तीसरा मूल्य आश्वासन पर किसान समझौता और कृषि सेवा

अध्यादेश है। देश में विभिन्न किसान संगठन इन अध्यादेशों का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि इन अध्यादेशों के लागू होने के बाद खेती का निजी होथों में नियंत्रण व मंडी व्यवस्था के समाप्त होने का खतरा है।

वहीं दूसरी ओर विशेषज्ञों व सरकार का पक्ष है कि इससे किसानों के लिए नए बाजार खुलेंगे व उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सरकार का यह भी दावा है कि मंडी व्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इन कृषि बिलों पर समझ बनाने के उद्देश्य से यह संवाद रखा गया जिसमें रामपाल जाट सहित विभिन्न कृषि विशेषज्ञों ने अपन विचार व्यक्त किए। किसानों का मानना था कि सरकार यदि न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा दे देती है और मंडियों के तंत्र को सुदृढ़ करने की ओर पर्याप्त संसाधनों की व्यवस्था करती है तभी किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। इस संवाद कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के 50 से अधिक किसान व किसान संगठनों ने भाग लिया।

नागरिक पत्रकारिता पर आनलाइन कार्यशाला

सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति के बाद एक बडा बदलाव यह आया कि अब सूचनाओं तक आम आदमी की पहुँच बहुत सुलभ हो गई। यद्यपि पत्रकारिता का अपना अनुशासन व व्याकरण होता है, तब भी आधुनिक तकनीक ने पेशेवर पत्रकार और आम नागरिक के मध्य की दूरी को या भेद को कम कर दिया है। मोबाइल पत्रकारिता ने आम नागरिक को भी ख़बर निर्माण, सूचनाओं के एकत्रिकरण, रिपोर्टिंग, सूचनाओं का प्रसार और विश्लेषण के काम से जोड़ दिया है। प्रेस उपकरणों का इस्तेमाल कर अब श्रोता और पाठक भी नागरिक पत्रकार की भूमिका में आ गए हैं।

इस बदलाव ने नागरिक पत्रकारिता की व्यापक संभावनाओं को खोल दिया है। यह संभावनाएं उस वर्ग के लिए और महत्वपूर्ण हो गई हैं जो जमीनी स्तर पर आमजन की पीड़ाओं, परेशानियों और खुशियों से सीधा जुड़ा हुआ है। सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्थाएं व व्यक्ति नागरिक पत्रकारिता के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।

इस कार्यशाला का उद्देश्य नागरिक पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण आयामों पर युवाओं की समझ विकसित करना ताकि वे भविष्य में बेहतर नागरिक पत्रकार के रूप में अपनी पहचान कायम कर सकें।

उपरोक्त संदर्भ को ध्यान में रखते हुए सिकोईडिकोन, पैरवी एवं पैन इंडिया द्वारा नागरिक पत्रकारिता पर युवाओं को प्रशिक्षित करने हेतु दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विषय–विशेषज्ञों द्वारा संचार एवं नागरिक पत्रकारिता की वर्तमान संदर्भ में उपादेयता एवं प्रासंगिकता पर सत्र लिए। इस कार्यशाला में देश के छः राज्यो (राजस्थान, म.प्र., उ.प्र., बिहार, झारखण्ड व पश्चिम बंगाल) के स्वयंसेवी संस्थाओं के 32 प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

किसान सेवा समिति के चुनाव हुए सम्पन्न

दिसम्बर माह में चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद में किसान सेवा समिति के पंचायत प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों के चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया व सामूहिक भागीदारी से लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सम्पन्न हुई। चाकसू से श्रीमती कृष्णा देवी, फागी से श्री हनुमान यादव, निवाई से श्री मदन लाल भार्मा, मालपुरा से श्री रामलाल मेघवंशी व शाहबाद से श्री मथुरालाल अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। सभी निर्वाचित सदस्यों ने आमसभा में जनसंगठन के प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया व सामूहिक भागीदारी से विकास कार्यों में जुटने का आह्वाहन किया।

छत्तीसगढ़ सरकार की गौधन न्याय योजना पर संवाद

कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में सुधार एवं चारागाह प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए जून, 2020 में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई गोधन न्याय योजना की देश–विदेश में चर्चा हो रही है। इस नवाचार को जानने व समझने के उद्देश्य से सिकोईडिकोन द्वारा आनलाइन संवाद का आयोजन 21 सितम्बर, 2020 को किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के कृषि एवं आयोजना सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थे।

अपने उद्‌बोधन में श्री प्रदीप शर्मा ने विस्तार से गोधन न्याय योजना की रूपरेखा व क्रियान्वयन पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि गौधन न्याय योजना के तहत् गोबर प्रबंधन करते हुए सरकार किसानों से 2 रू. किलो की दर से गोबर खरीदती है, गोबर से गमले, दिए व अन्य घरेलू काम में आने वाली वस्तुओं का निर्माण किया जाता है। इससे रोजगार भी सृजित हो रहा है एवं चारागाह भी विकसित हो रहे है। यह प्रयास सामूहिक जनभागीदारी व सरकार के सहयोग से हो रहा है। कार्यक्रम में किसानों द्वारा इस प्रकार की योजना अन्य राज्यों में भी भुरू किए जाने की वकालत की। इस संवाद में राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश व छत्तीसगढ़ के जनसंगठन व किसानों ने भाग लिया।

बिहार विधानसभा पूर्व जनघोषणा पत्र में भागीदारी

नवम्बर, 2020 में बिहार में हुए विधानसभा चुनाव पूर्व स्थानीय जनसंगठनों, स्वैच्छिक संस्थाओं व विशेषज्ञों के समूह द्वारा जनघोषणा पत्र संवाद का आयोजन किया गया। संवाद की इस श्रृंखला में शिक्षा, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, कृषि, रोजगार, पंचायती राज, महिला विकास सहित 10 महत्वपूर्ण विषयों पर स्थानीय भागीदारी आनलाइन चर्चाएं आयोजित हुई। इन चर्चाओं में सिकोईडिकोन की सक्रिय भागीदारी रही एवं सुझाव भी दिए गए। इस संवाद से निकले महत्वपूर्ण मुद्दों को संकलित कर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को सौंपा गया। इस नवाचार की सभी राजनैतिक दलों द्वारा सराहना की गई।

सिकोईडिकोन की वार्षिक बैठक सम्पन्न

प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली सिकोईडिकोन की वार्षिक बैठक इस वर्ष 21 से 23 दिसम्बर, 2020 के मध्य आयोजित हुई। बैठक में संस्था के सभी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उद्‌घाटन सत्र में बोलते हुए संस्था की सचिव श्रीमती मंजू जोशी ने सभी कार्यकर्ताओं व जनसंगठनों को कोरोना महामारी के दौरान दिए गए आगामी चुनौतियों की तरफ संकेत देते हुए सभी को साथ मिलकर परिस्थितियों का सामना करने हेतु प्रेरित किया। वार्षिक बैठक के पहले दिन संचार व दस्तावेजीकरण पर आयोजित सत्र का संचालन करते हुए डॉ. क्षिप्रा माथुर ने संचार की उपयोगिता व डिजिटल संचार के विभिन्न तरीकों पर कार्यकर्ताओं को जानकारी दी।

बैठक के दूसरे दिन विभिन्न परियोजनाओं की उपलब्धियों, चुनौतियों व सीख पर कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तुति की गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कोरोना के दौरान प्रशासन के साथ मिलकर किए गए कार्यों के अनुभव भी साझा किए।

बैठक के तीसरे दिन, 23 दिसम्बर को सिकोईडिकोन के संस्थापक श्रद्धेय श्री शरद जोशी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर संस्था की कार्यकारिणी के सदस्यों की मौजूदगी में श्री जोशी का स्मृति वंदन करते हुए उनसे जुड़े अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक जस्टिस वी. एस. दवे, संस्था की अध्यक्षा श्रीमती एच. बेदी व वरिष्ठ सदस्य जस्टिस पाना चंद जैन एवं श्री ओम थानवी सहित संस्था के वरिष्ठ साथियों द्वारा श्री शरद जोशी को याद किया गया एवं उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

किसान सेवा समिति द्वारा जन जागरूकता व मुद्दों की पैरवी

किसान सेवा समिति की विभिन्न बैठकों में स्थानीय स्तर के मुद्दों व समस्याओं पर चिंतन व उनके निराकरण के प्रयास की रणनीति तय की जाती है। इसी संदर्भ में कोरोना महामारी के दौरान स्थानीय प्रशासन के साथ राहत व जागरूकता के कार्यों में किसान सेवा समिति की अहम भूमिका रही।

इसके अतिरिक्त दूध की दरों में वृद्धि हेतु, बिजली बिलों की बढ़ौत्तरी, चारागाह अतिक्रमण, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद, आंगनबाड़ी केन्द्रों के दुरूस्तीकरण एवं सड़कों की मरम्मत हेतु किसान सेवा समिति द्वारा स्थानीय व राज्य स्तर पर प्रशासन को ज्ञापन देकर समस्याओं से अवगत करवाया गया है। स्थानीय स्तर पर वंचित व पिछड़े वर्ग को विभिन्न सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों से जोड़ने का कार्य भी अनवरत जारी है।

टिड्डी दलों के हमले के प्रभाव व सुझाव – एक अध्ययन

राजस्थान में वर्ष 2019 व 2020 में हुए टिड्डी दलों के हमले से व्यापक स्तर पर नुकसान हुआ। प्रदेश के 20 जिले इसकी चपेट में आए और खेती–किसानी की बर्बादी हुई। टिड्डियों के हमले से हुए नुकसान, सरकारी प्रयास व इनसे निपटने हेतु उपायों को समझने हेतु सिकोईडिकोन द्वारा एक अध्ययन करवाया गया जिसमें 20 जिलों के 525 किसानों, 52 पंचायत प्रतिनिधियों, 26 सरकारी अधिकारियों व 15 विषय–विशेषज्ञों से चर्चा को शामिल किया गया। इस अध्ययन में विशेषज्ञों द्वारा दी गई सिफारिशों का भी समावेश किया गया है।

उन्नत कृषि प्रदर्शन (स्मार्ट फार्म)

समेकित ग्रामीण विकास पहल परियोजना के तहत् जैविक खेती, पशु प्रबंधन, सरकारी योजना से जुड़ाव व जल प्रबंधन को समेटते हुए संस्था द्वारा स्मार्ट फार्म डवलपमेंट की पहल की गई, जिसके तहत् 25 किसानों का चयन किया गया व उनकी प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता से क्षमताओं का विकास कर अन्य किसानों को स्मार्ट फार्मिंग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस नवाचार के तहत् चिन्हित किसानों की न केवल आय में बढ़ौत्तरी हुई है बल्कि मिश्रित खेती व सब्जी पालन से पोषण युक्त आहार व मिट्टी के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव दिखाई देने लगा है।

स्मार्ट फ़ार्मिंग से बदलता ज़ीवन

कमला देवी, भादड़वास गांव, चाकसू तहसील

कमला देवी महिला किसान हैं और जयपुर के चाकसू तहसील के भादड़वास गॉव में खेती का काम करती हैं। वे पहले अपने खेत पर केवल गेहूं की फसल ले पाती थी लेकिन स्मार्ट फार्मिंग के बारे में समझकर अब परम्परागत फसल के साथ–साथ सब्ज़ी, फल व फूलों की खेती भी करने लगे हैं। इस बदलाव से उनकी आय में भी बढ़ोत्तरी हो रही है और खेती में लागत भी कम हुई है। केंचुआ खाद तैयार कर कमला जी अपनी फसल को पौष्टिक भी बना रही हैं और इस तरह उसकी गुणवत्ता भी सुनिश्चित कर रही हैं।

गजानंद शर्मा, हिंगोटिया गाँव, निवाई तहसील, टोंक जिला

टोंक जिले में निवाई तहसील के हिंगोटया गॉव के किसान भाई गजानंद शर्मा जी पहले खरीफ में बाजरा व रबी में गेहूं व सरसों की फसल ही लिया करते थे। सिकोईडिकोन से मिश्रित खेती की जानकारी लेने के बाद फलदार पौधे व सब्ज़ी भी लगाना शुरू किया। गजानंद जी ने सरकारी योज़नाओं की जानकारी लेकर उनका भी लाभ लिया। सरकार से सब्सिडी लेकर सौर ऊर्जा व स्प्रिंकलर फव्वारे के पाइप अपने खेत में लगवाए। कम जमीन में अधिक उत्पादन के तरीके सीखने के बाद गजानंद जी ने अपने खेत के चारों ओर बेर, अमरूद, नींबू, करूंजा, अनार, पपीता व आंवले के फलदार पौधे और साथ ही साथ टमाटर, बैंगन, भिंडी व प्याज भी लगाया। खेती में इस नवाचार से गजानंद की करीब सवा दो लाख रूपये की आय हुई।

खेती की जमीन के भरपूर उपयोग, नवाचार, पशुपालन और सरकारी योजनाओं के लाभ से गजानंद जी किसान भाईयों के लिए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

बाबूलाल बैरवा, नया मौजा जयसिंहपुरा, तहसील निवाई

पैंतीस सालों से खेती के कार्य में लगे बाबूलाल जी का स्मार्ट फार्मर के रूप में चयन होने के बाद उन्होंने अपने खेत पर फलदार वृक्ष व सब्जियां उगाना भाुरू किया। एक सीजन में पचपन हजार रूपये के मटर बेचे। इसके अलावा भिंडी और ग्वारफली की फसलें भी लीं।

सिकोईडिकोन से जानकारी व सहयोग लेकर केंचुआ खाद और कंपोस्ट तैयार किया। बाबूलाल जी अपने खेत में नुकसान करने वाले किसी भी रसायन और पेस्टिसाईज़ का प्रयोग नहीं करते। देसी खाद के प्रयोग से ही अपने खेतों और फसलों में पोषण बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है।

उद्यानिकी व किचन गार्ड के लिए प्रोत्साहन

आजीविका सुरक्षा के तहत् सिकोईडिकोन द्वारा उद्यानिकी को प्रोत्साहन देने हेतु 75 किसानों को चिन्हित किया जा चुका है। इन किसानों को संस्था द्वारा पौधा वितरण के साथ–साथ उनके रख–रखाव व प्रबंधन हेतु प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। इसी प्रकार संस्था द्वारा 100 महिलाओं को मॉडल किचन गार्डन तैयार करने व पोषण की कमी को दूर करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण व सब्जियों व फलों के बीज उपलब्ध करवाए गए है।

कौशल निर्माण प्रशिक्षण

सिकोईडिकोन के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र शाहबाद में स्थित कौशल प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 132 चिन्हित युवकों को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण राज्य सरकार को RSCIT कोर्स के अनुरूप तीन माह के लिए दिया जाता है जिसमें ट्रेनिंग फीस में आंशिक सहयोग व अन्य आधारभूत सुविधाएं प्रदान की जाती है।

जेंडर संवेदी विकास योजना हेतु आमुखीकरण

स्थानीय विकास योजनाओं में जेंडर संवेदनशीलता को महत्व देने के उद्देश्य से समेकित ग्रामीण विकास परियोजना के तहत् स्थानीय कार्यक्षेत्र (चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद) में पंचायत स्तरीय जेंडर संवेदी विकास योजना हेतु आमुखीकरण का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों, महिलाओं व जनसंगठन के सदस्यों की भागीदारी रही। इस आमुखीकरण का उद्देश्य ग्रामस्तरीय विकास योजना के निर्माण में जेंडर समानता के मुद्दों को शामिल करवाना व ग्रामीण स्तर पर ऐसा वातावरण तैयार करना, जिसमें महिला–पुरूष की समानता की सोच विकसित हो सके।

ग्राम पंचायत स्तरीय वार्षिक योजना की तैयारी

प्रतिवर्ष ग्राम पंचायत स्तर पर वार्षिक योजना तैयार की जाती है। इस योजना निर्माण की प्रक्रिया में किसान सेवा समिति व युवा मंडलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस प्रक्रिया को जनभागीदारीपूर्ण बनाने हेतु जन संगठनों द्वारा संस्था के सहयोग से पंचायत स्तरीय बैठके आयोजित की गई एवं स्थानीय मुद्दों को चिन्हित कर पंचायत प्रतिनिधियों को सौंपा गया। शाहबाद, निवाई एवं मालपुरा में खाद्य सुरक्षा, पोषण, शिक्षा, आजीविका व सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को शामिल कर इन्हें पंचायत प्रतिनिधियों को सौंपा गया।

कोरोना महामारी में मज़दूरों की चिंता पर वेबिनार

कोरोना महामारी का सर्वाधिक असर उन मज़दूरों के ज़ीवन पर पड़ा जो पलायन कर किसी शहर या कस्बों में मज़दूरी के लिए जाते हैं। लॉकडाऊन के कारण ऐसे लाखों मज़दूरों को रोज़गार से वंचित होना पड़ा, साथ ही उनके समक्ष खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो गया। ऐसी परिस्थिति में मज़दूरों की स्थिति को समझने व तुरंत उन्हें राहत पहुँचानें के उद्देश्य से सिकोईडिकोन, मौसम व पैरवी के संयुक्त तत्वावधान में एक वेबिनार का आयोजन 20 मई, 2020 को किया गया।

इस कार्यक्रम में श्रमिकों के साथ काम कर रहे संगठनों व विशय विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यकत किए एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को मजदूर वर्ग के सहयोग के लिए आह्वान किया।

स्थानीय समस्याओं व सरकारी योजनाओं पर संवाद

सिकोईडिकोन एवं किसान सेवा समिति द्वारा स्थानीय मुद्दों के निराकरण व सरकारी योजनाओं के प्रति जन जागरूकता के

उद्देश्य से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन चाकसू, फागी, निवाई व मालपुरा में मार्च, 2021 में किया गया। इस कार्यक्रम में जन संगठनों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं सरकारी अधिकारियों के बीच संवाद हुआ, जिसमें अधिकारियों द्वारा कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला अधिकारिता से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनसंगठनों द्वारा विभिन्न योजनाओं की प्रक्रिया से जुड़े पहलुओं को समझा एवं विभिन्न स्थानीय समस्याओं को साझा किया। इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य जन सहभागिता के रचनात्मक मंच तैयार करना है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ परियोजना की गतिविधियाँ

गर्ल फ्रैण्डली ग्राम पंचायत

सवाईमाधोपुर जिले में 7 ग्राम पंचायतों को आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत विभिन्न हितधारकों से निरन्तर समन्वय स्थापित किया गया और संस्थागत प्रक्रियाओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये गये। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सातों ग्राम पंचायतों में विद्यालयों को बालिका मित्रवत बनाने के प्रयास किये गये। इसके अन्तर्गत सभी विद्यालयों में बालिकाओं के लिये पृथक शौचालयों का निर्माण, शिकायत पेटियों को लगवाना, टॉल फ्री नम्बरों का विद्यालयों में प्रलेखन आदि कार्य किये गये। इस वर्ष 84 बालिकाओं को स्टेट ओपन स्कूल से जोड़ा गया।

विद्यालय प्राचार्यों का जेण्डर मुद्दों पर क्षमतावर्धन

सवाई माधोपुर के 6 ब्लॉक में विद्यालय प्राचार्यों का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के क्रियान्वयन में उनकी भूमिका पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें कुल 291 प्राचार्यों ने भाग लिया।

पंचायतीराज प्रतिनिधियों के क्षमतावर्धन के लिये मॉड्यूल निर्माण

सवाई माधोपुर जिले की 200 ग्राम पंचायत में पंचायतीराज प्रतिनिधियों का जेण्डर सम्बन्धी मुद्दों पर आमुखीकरण के लिये एक वरिष्ठ सलाहकार द्वारा प्रशिक्षण मॉड्यूल व गाइडबुक तैयार की गई।

किशोरियों के लिए योजना (SAG) के क्रियान्वयन में सहयोग

UNFPA के सहयोग से राजस्थान के 33 जिलों में किशोरियों के लिये योजना के क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसके लिये सम्भागीय स्तर पर 5 मेन्टर्स का चयन किया गया है जो इस योजना के क्रियान्वयन में विभिन्न स्तरों पर अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

रक्षण परियोजना

नट समुदाय की महिलाओं व युवाओं की आजीविका की बेहतर संभावनाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आई पार्टनर के सहयोग से रक्षण परियोजना का संचालन किया जा रहा है। यह परियोजना मालपुरा के 20 व फागी, निवाई व टोडारायसिंह ब्लॉक के 70 गाँवों में संचालित की जा रही है।

इस परियोजना के तहत् खेती व गैर कृषि क्षेत्र में आजीविका को बेहतर बनाने, नट समुदाय की किशोरियों को शिक्षा हेतु प्रेरित करने, युवाओं के कौशल निर्माण सहित विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

चाईल्ड डेवलपमेंट परियोजना

संस्था सिकोईडिकोन, चाइल्ड फण्ड के सहयोग से जयपुर बाल विकास कार्यक्रम के तहत् जयपुर जिले के सांभरलेक उपखण्ड तथा अलवर जिले के तिज़ारा एवं कोटकासिम उपखण्डो में अप्रेल, 2019 से कार्य कर रही है।

जयपुर जिले के 20 गांवो में संस्था के पचकोड़िया स्थित कार्यालय से तथा अलवर जिले के 13 गांवों में संस्था के टपुकड़ा स्थित कार्यालय से कार्यक्रम का संचालिन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम तहत् 696 स्पोन्सर बच्चे उनके माता–पिता, भाई–बहिन, पालनहार तथा समुदाय के अन्य लोगों के साथ आजीविका संवर्धन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा बाल सुरक्षा के मुद्दों पर कार्य किया जा रहा है।

देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में कोरोना महामारी आपदा के कारण सारा जन–जीवन प्रभावित हुआ है। महामारी के प्रभावों को लोगों पर कम करने के लिये सरकार ने जो गाइडलाइन जारी की उसकी अनुपालना हेतु परियोजना स्टाफ, समुदाय आधारित संगठन जैसे युवा मण्डल, बाल समूह, बाल संरक्षण समितियां, किशोर–किशोरी समूह तथा परियोजना स्टाफ ने लोगों को जागरूक करने में तथा गाइड लाइन की अनुपालना में सहयोग हेतु महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। परियोजना के अन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका संवर्धन तथा बाल सुरक्षा से सम्बन्धित गतिविधियों की क्रियान्विति के अतिरिक्त राहत के भी कार्य संस्था द्वारा सी. एफ. आई. के सहयोग से क्रियान्वित किये गये जैसे –

- फूड बास्केट गतिविधि के तहत् संस्था के पचकोड़िया कार्यालय के माध्यम से 20 गांवों में तथा अलवर के टपूकड़ा कार्यालय से लगभग 5 लाख राशि की राशन सामग्री द्वारा 610 परिवारों को लाभान्वित किया गया। इसी कार्यक्रम के तहत् उदयपुर जिले के कोटड़ा क्षेत्र में 12 गांवों में जनजाति के 508 परिवारों को 4 लाख की राशि की राशन सामग्री वितरित कर लाभान्वित किया गया।
- कोविड–19 से प्रभावित किसानों की खरीफ 2020 में बीज खरीदने की समस्या को देखते हुए 504 परिवारों को 6.44 लाख राशि के खरीफ की बुवाई हेतु बाजरा, ग्वार, तिल, मूंग, अरहर तथा सब्जियों के बीज वितरित किये गये।
- स्वच्छता किट के तहत् पचकोड़िया क्षेत्र के 50 गांवों में 350 परिवारों को मास्क, हेण्ड सेनेटाइजर तथा साबुन वितरित किये गये, इस तरह टपुकड़ा क्षेत्र में 160 परिवारों को स्वच्छता किट वितरित किये गये।

- इस सत्र में विद्यालय में शिक्षण कार्य बन्द होने की वजह से छात्रों की पढ़ाई बाधित हुई है। परिवार तथा बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य तथा अध्ययन को ध्यान में रखते हुए लर्निंग किट को वितरण किया गया। इस गतिविधि के तहत् टपूकड़ा क्षेत्र के 400, पचकोड़िया क्षेत्र के 500 बच्चों में को लगभग 4.6 लाख राशि की लर्निंग सामग्री जैसे उपयोगी पुस्तकें, ड्राईंग एवं क्राफ्ट हेतु सामग्री, नोट बुक, एटलस, डिक्सनरी, खेल सामग्री वितरित की गई।
- आय संवर्धन गतिविधि के तहत् परियोजना क्षेत्र में 6 युवा महिलाओं को सिलाई मशीनें एवं रोजगार स्थापित करने हेतु कपड़ा तथा अन्य सामग्री का सहयोग प्रदान किया गया।
- कोरोना की वजह से लोगों की आय तथा अन्य खर्चो में बदलाव आया है। इस बदलाव के आंकलन हेतु 3 गांवों में आजीविका के तरीकों का आंकलन किया गया।
- पोषण में सुधार हेतु परियोजना क्षेत्र के गांवों में स्थानीय खाद्यान्न से निर्मित पोषण युक्त भोजन के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

नन्हे चेहरों पर आयी मुस्कान

कोरोना काल में लॉकडाउन होने के कारण सभी लोग अपने घरो में रहने को मज़बूर हो गये, जिसके कारण बच्चों की स्कूल भी बंद थी। लॉकडाउन के लम्बे चलने के कारण बच्चों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा था। साथ ही बच्चे मानसिक तनाव से ग्रसित हो रहे थे। इन सब परेशानियों का मुकाबला कर रहा था योगेश कुमार।

योगेश कक्षा–7 में पढ़ रहा है, इसके पिता दैनिक मज़दूरी करते हैं व माता जी घर के कार्यो के साथ ही मज़दूरी भी करती है। इसके दो छोटे भाई–बहिन है।

लॉकडाउन के दौरान योगेश को सिकोईडिकोन संस्था द्वारा आई.जी.सी.एल. लर्निंग किट दिया गया, जिसमें कलर ब्रुश, नोटबुक, पेन्सिल, ड्राइंग सीट आदि सामग्री शामिल थी। इसे पाकर वह बहुत प्रसन्न हुआ, इसके उपयोग से अब योगेश अपने भाई–बहन के साथ पढ़ाई करता है तथा चित्रकारी भी करता है।

योगेश ने बताया कि ''लॉकडाउन'' में मैं घर पर सहज़ महसूस नहीं कर रहा था। स्कूल बंद होने के कारण घर पर मन नहीं लग रहा था व पढ़ाई नहीं कर पा रहा था लेकिन इस लर्निंग किट के मिलने के बाद मुझे चित्र बनाने में बहुत आनन्द आने लगा है साथ ही मेरी पढ़ाई भी नियमित हो पा रही है। अब मेरे माता–पिता भी मेरे साथ समय बिताते है एवं हमारी मदद करते हैं तथा मुझे अपने बचपन कि बातें बताते हैं एवं कहानियॉ सुनाते हैं।''

योगेश के माता–पिता भी बहुत खुश हैं। सिकोईडिकोन के सहयोग से उनके बच्चों की पढ़ाई नियमित हो रही है। हम भी बच्चों के साथ बात करते हैं एवं उनकी मदद करते हैं। साप्ताहिक योज़ना के अनुसार उनकी गतिविधियों में सहभागिता करते हैं।

योगेश के माता–पिता चाहते हैं कि यह कार्यक्रम ज़ब तक स्कूल नहीं खुल जाते तब तक चलाया जावे ताकि हमारे बच्चे पढ़ाई से जुड़े रहे एवं परिवारजनों को उनकी प्रतिभाओ के बारे में पता चले।

अब योगेश व उसके भाई–बहिन दोनों साथ बैठ कर पढ़ाई करते हैं। साथ में खेलते हैं, सुबह उठ कर वे अपने माता–पिता के साथ योग करके दिन की शुरुआत करते हैं तथा घर पर रहकर ही योज़ना बनायी गई हैं। उस योज़ना के अनुसार गतिविधियाँ करते हैं।

इस पहल से आज़ योगेश व उसके भाई–बहिन के चहरे पर मुस्कान है।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, जैसलमेर, राजस्थान

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र नियम एवं अनुदान योजना संशोधित 2017 के अन्तर्गत महिला सुरक्षा एवम् सलाह केन्द्र, जैसलमेर का संचालन **सिकोईडिकोन संस्था** के द्वारा एवं कार्यालय सहायक, निदेशक, **महिला अधिकारिता विभाग, जैसलमेर** राजस्थान सरकार के सौजन्य से संचालित किया जा रहा है। महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र का उद्देश्य सामाजिक व पारिवारिक स्तर पर हिंसा से संरक्षण प्रदान कराये जाने में सहयोग देना है। यह केन्द्र व्यथित महिलाओं के हित सुरक्षित रखने के लिए संचालित किया जा रहा है। महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र के उद्देश्य एवम् दायित्व निम्नानुसार है–

1. केन्द्र में सभी प्रकार की हिंसा, शोषण की शिकार महिलाओं को उनकी आवश्यकतानुसार सहयोग देने का प्रयास किया जायेगा। ऐसी महिलाएं/युवतियां जिनके प्रति घर, ससुराल, कार्यस्थल अथवा किसी अन्य स्थान संदर्भो में होने वाली शारीरिक/मानसिक/मनोवैज्ञानिक/आर्थिक/सामाजिक हिंसा तथा शोषण जो किसी भी स्वरूप में हो केन्द्र पर मदद हेतु आ सकेंगी।
2. केन्द्र का उद्देश्य महिला को अपनी परिस्थिति को स्पष्ट तथा बेहतर रूप से समझने में मदद करता है। केन्द्र महिला को विपरीत परिस्थिति के दृष्टिगत उपलब्ध सभी प्रकार के विकल्पों को समझाने का प्रयास करता है।
3. इस केन्द्र को महिला थाने में स्थापित करने का उद्देश्य यह है, कि महिला की समस्या के दृष्टिगत किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो तो पुलिस विभाग से तुरन्त प्राप्त की जा सकती है।

माह– अप्रैल, 2020 से फरवरी, 2021 तक दर्ज प्रकरणों की **माहवार** प्रगति प्रतिवेदन का विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	माह का नाम	कुल दर्ज प्रकरणों की संख्या	निस्तारण प्रकरणों की संख्या	एफ.आई.आर. दर्ज प्रकरण	कुल दर्ज प्रकरणों की संख्या	पेंडिंग(अनिर्णित) विचाराधीन
1.	अप्रैल, 2020	01	00	00	01	01
2.	मई, 2020	11	08	02	01	11
3.	जून, 2020	15	09	04	02	15
4.	जुलाई,2020	14	10	01	03	14
5.	अगस्त,2020	08	04	01	03	08
6.	सितम्बर,2020	14	07	02	05	14
7.	अक्टूबर,2020	06	04	01	01	06
8.	नवम्बर,2020	05	01	03	01	05
9.	दिसम्बर,2020	07	04	01	02	07
10.	जनवरी,2021	06	02	01	03	06
11.	फरवरी,2021	11	06	01	04	11
	कुल	**98**	**55**	**17**	**26**	**98**

चाईल्ड लाइन–1098, जैसलमेर

जरूरतमंद बच्चों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित चाईल्ड लाइन 1098 का जैसलमेर केन्द्र सिकोईडिकोन द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस हेल्प लाइन के माध्यम से अप्रैल, 2020 से 10 मार्च, 2021 तक 17 बच्चों को चिकित्सा सहायता, 8 बच्चों को आश्रय, 5 बच्चों को पुनर्वास, 29 बच्चों को भाोशण से सुरक्षा, 25 बच्चों को छात्रवृत्ति, 20 बच्चों को भावनात्मक सहयोग एवं सलाह एवं 34 बच्चों को अन्य केस केटेगरी में सुविधा प्रदान की जा चुकी है। अभी तक कुल 138 जरूरतमंद बच्चों को चाईल्ड लाइन, जैसलमेर द्वारा सहायता प्रदान की जा चुकी है।

संस्था सामान्य रूप से भी बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिये काम करती हैं, लेकिन संस्था का विशेष ध्यान देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले सभी बच्चों पर है।

प्रज्जवला (केजीबीवी) कार्यक्रम, राजस्थान

नेशनल स्टॉक एक्सचेन्ज के सी.एस.आर. के तहत् बोध शिक्षा समिति, जयपुर के साथ सिकोईडिकोन संस्था द्वारा सितम्बर, 2019 से जोधपुर एवं जैसलमेर के समग्र शिक्षा अभियान द्वारा संचालित केजीबीवी में कार्य भाुरू किया गया।

गतिविधियों के उद्देश्य

- कक्षा 6, 7 व 8 की बालिकाऐं, जो हिन्दी, अंग्रेजी व गणित विषयों में अपनी कक्षा के स्तर से पीछे रह गयी, उनके अधिगम स्तरों में वृद्धि के लिए विशयों के बुनियादी कौशलों पर कार्य कर उनको विकसित करना।
- शाला प्रबंधन समिति को विद्यालय के बेहतर प्रबंधन हेतु सशक्त करना।
- जिला/ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ मिलकर अकादमिक संबलन प्रक्रिया को सशक्त करना। शिक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर व उपयुक्त शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण करना।

सिकोईडिकोन द्वारा उक्त कार्यक्रम जैसलमेर व जोधपुर में संचालित किया जा रहा है।

कोरोना महामारी में संस्था के प्रयास

अभियान • चाइल्ड लाइन ने बाल

कोरोना से बचाव के लिए बांटे मास्क

भास्कर संवाददाता | जैसलमेर

जैसलमेर. मास्क का वितरण करते चाइल्ड लाइन के कार्यकर्ता।

सिकोईडिकोन संस्था द्वारा संचालित चाइल्ड लाइन 1098 परियोजना के सदस्यों ने साप्ताहिक गतिविधि के अंतर्गत कच्ची बस्तियों में जाकर बाल अधिकारों के प्रति जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। चाइल्ड लाइन 1098 की सेवा के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि चाइल्ड लाइन 1098 भारत की पहली 24 घंटे निशुल्क आपातकालीन सेवा है, जो जन्म से 18 साल से कम उम्र के बच्चों की सुरक्षा एवं बाल अधिकारों की रक्षा के लिए काम करती है। साथ आवश्यकता एवं जरूरतमंद बच्चों के अधिकार एवं संरक्षण के लिए 1098 टोल फ्री नंबर डायल करने की जानकारी दी गई। साथ ही वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के उपाय एवं सावधानियां पर जानकारी दी जा रही है। समय समय पर हाथ धोने, मास्क पहनने व कम से कम 2 गज की दूरी बनाए रखने, खांसी बुखार होने पर चिकित्सक को दिखाने, आवश्यक कार्य होने पर ही यात्रा करने से संबंधित विशेष जागरूकता व सतर्क रहने का सुझाव दिया जा रहा है एवं केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का पालन करने की अपील की जा रही है। गतिविधि के आयोजन में केंद्र समन्वयक रामगोपाल बेनीवाल, काउंसलर अनुराधा शर्मा, टीम सदस्य अजय व्यास, विनोद शर्मा, रविंद्रसिंह, दीपक कुमार व महेंद्र सुथार ने सहयोग दिया।

दैनिक नवज्योति

Hadoti - 24 Apr 2020 - F

ग्राम पंचायत को किया जा रहा जागरूक

न्यूज सर्विस/नवज्योति, देवरी।

ग्राम पंचायत नाटई की सरपंच रेखा रानी द्वारा कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए अपनी ग्राम पंचायत को किस प्रकार सुरक्षित रखा जाए इसके लिए महिला वार्ड पंच एवं कोरम के साथ बैठक कर कई प्रकार के निर्णय लिए। जिसमें कौराना से निबटने के लिए सरकार द्वारा किया गया लॉकडाउन कि सही से पालना की जाए। इसके लिए कोरोना सैनिक दल का गठन किया। लाउडस्पीकर के माध्यम से पूरे गांव में जानकारी दी। साथ ही पंचायत के सभी ग्रामों में सेनीटाइज का छिड़काव करवाया। सभी गांव वालों को बताया गया की ग्राम पंचायत में बाहर से आने वाली सब्जियों का उपयोग नहीं किया जाएगा। सरपंच द्वारा बाहर से आने वाले लोगों की सूचना मेडिकल टीम को दी जा रही है जिससे उनको जांच की जा सके और क्वॉरंटाइन करवाई जा सके।

मनरेगा कर्मियों को मास्क व सेनेटाइजर वितरित किए

कोरोना से बचाव के लिए मास्क व सोशल डिस्टेंस जरूरी

न्यूज सर्विस/नवज्योति, देवरी/शाहाबाद।

सिकोई डीकोन संस्था शाहाबाद द हंगर प्रोजेक्ट द्वारा सरपंच के सहयोग से नरेगा कार्य स्थलों पर जाकर 70 मास्क एवं सेनिटाइजर का वितरण किया। नरेगा श्रमिकों को बताया कि कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाना व सोशल डिस्टेंस की पालना करना बहुत जरूरी है ताकि हमारा व हमारे परिवार का कोरोना से बचाव हो सके। पवन शर्मा एवं चंद्रकला शर्मा ने सभी नरेगा कार्मिकों का नरेगा कार्य करते हुए आपसी दूरी बनाए रखने तथा बार-बार हाथ धोने पर बात की।

साथ ही सभी लोगों को बताया हमेशा आप मास्क का प्रयोग करें। ग्राम पंचायत सेम्ली फाटक की सरपंच अजुद्धी बाई ने बताया कि हमारी ग्राम पंचायत में 700 मजदूरों को नरेगा कार्य से जुड़ा है। साथ ही प्रतिदिन नरेगा पर कार्य कर रहे मजदूरों के पास जाकर सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क के बारे में चर्चा की जाती है। इस अवसर पर महिला वार्ड पंच सहित नरेगा श्रमिक मौजूद रहे।

मनरेगा श्रमिकों को मास्क वितरित करते हुए।

भोयल ग्राम पंचायत के श्रमिकों को किया जागरूक

भोयल ग्राम पंचायत के पाजनटोरी गांव में अभी तक दो कोरोना पॉजीटिव केस सामने आए हैं, हालांकि एक प्रथम कोरोना पॉजीटिव महिला की दूसरी रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। अभी एक केस का इलाज चल रहा है। गांव से लिए गए 34 सैम्पलों की रिपोर्ट नेगीटिव आयी है। अभी 13 सैम्पलों की रिपोर्ट और बाकी है। कोरोना के मामलों के बाद अब ग्राम पंचायत सहित आसपास के लोग सतर्क नजर आ रहे है। चिकित्सा शनिवार को ग्राम पंचायत के स्वच्छता ग्राही मावेश मेहता ने ग्राम पंचायत में चल रहे मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया। वहां लोगो को आपस मे 6 फिट की दूरी बनाकर कार्य करने की अपील की। इस अवसर पर सभी मेटो को दिशा निर्देशों की पालना करने के लिए पाबंद किया।

कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान

कोरोना योद्धाओं का सम्मान करते हुए।

न्यूज सर्विस/नवज्योति, सीसवाली।

सीसवाली राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के समस्त स्ट कोरोना योद्धा सम्मान से नवाजा गया। संगठन सरंक्षक राजस्थान प्रदेश वाल्मीकि, प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र बोयत के सानिध्य में जिलाध्यक्ष अजय ख ने बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना मे चिकित्सा विभाग की टीम कोरोना महामारी मे अपने परिवार से दुर रहकर तीन महीने से सेवा शनिवार को अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस बारां (जिल अजय खजोतियां, पलायथा सीसवाली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प सभी स्टाफ डाक्टर, नर्सिंग कर्मचारी, सफाई कर्मचारियों को कोरो के रुप मे प्रशस्ति सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

चिकित्सा प्रभारी डॉ. कन्हैयालाल मीणा, डॉ. अशोक कुमार सामरिया, अनीता बनर्जी, सुनीता मीणा, गोपाल गोया, सुमित्रा बा चिकित्सा स्टाफ को प्रशस्ति सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। इ पर सम्मानकर्ता में समाज सेवक मनोज खजोतियां, नरेन्द्र पंवार, मनीष राहुल सनगत, सावन सनगत, आदि कार्यकता मौजूद रहें।

नरेगा कर्मियों को मास्क व सेनेटाइजर वितरित किए

नरेगा कर्मियों को मास्क वितरित करते हुए।

न्यूज सर्विस/नवज्योति, शाहाबाद।

सिकोई डीकोन संस्था शाहाबाद द्वारा सरपंच के सहयोग से नरेगा साइट पर जाकर 200 मासक एवं सैनिटाइजर का वितरण किया। पवन शर्मा एवं चंद्रकला शर्मा द्वारा सभी नरेगा कार्मिकों का नरेगा कार्य करते हुए आपसी दूरी बनाए रखने पर बात की। साथ ही सभी लोगों को बताया हमेशा मास्क का प्रयोग करें। ग्राम पंचायत नाटई की सरपंच रेखा रानी ने बताया कि हमारी ग्राम पंचायत मैं 1000 मजदूरों को नरेगा कार्य से जुड़ा है। साथ ही प्रतिदिन नरेगा पर कार्य कर रहे मजदूरों के पास जाकर सोशल डिस्टेसिंग एवं मास्क के बारे में चर्चा की जाती है। जिससे कोविड-19 महामारी से पंचायत का बचाव हो सके। इस मौके पर जयकुमार खेतेश मंडल एवं महिला वार्ड पंच मौजूद रहे।

लोगों को स्वच्छता किट का वितरण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पचकोडिया में स्वच्छ

पचकोडिया. कस्बे के आमचौक में मंगलवार को सिकोइडिकोन के सहयोग से रेनवाल तहसीलदार सुमन चौधरी की अध्यक्षता में स्वच्छता किट व फूड बास्केट का वितरण किया गया।

परियोजना प्रबंधक गोविन्दनारायण विजय ने बताया कि संस्था द्वारा सांभरलेक के 20 गांवों में कोविड-19 से बचाव के लिए स्वच्छता किट वितरित किए जा रहे हैं। वहीं 400 परिवारों को फूड किट वितरित किए। रेनवाल तहसीलदार सुमन चौधरी ने लोगों को किट बांटे। इस अवसर पर वार्डपंच मदन कस्वां, कैलाश योगी, कम शिव कुमार, तेज सि

श्रमिकों को बांटे मास्क व सैनेटाइजर

निवाई. सिकोईडिकोन संस्था द्वारा ग्राम पंचायत नोहटा में सरपंच काली देवी के सान्निध्य में मनरेगा कार्यों पर श्रमिकों को कोरोना वायरस से बचाव की जानकारी देते हुए 200 मास्क व सैनेटाइजर का बांटे गए। कार्यक्रम समन्वयक केदारमल बैरवा ने बताया कि श्रमिकों को मनरेगा कार्यों व महामारी कोविड 19 की जानकारी दी। श्रमिक मास्क का प्रयोग करे। उन्होंने श्रमिकों को गरीब कल्याण सम्मान निधि एवं निःशुल्क राशन वितरण सहित कई योजनाओं की जानकारी दी।ए.सं.

सिकोईडिकोन व राजस्थानी महिला सहकारी समिति ने राहत कोष में राशि दान की

चाकसू (निसं)। चाकसू के शीलकी डूंगरी स्थित स्वैच्छिक एवं स्वयंसेवी संस्था सिकोईडिकोन एवं राजस्थानी महिला सहकारी सेवा समिति शीलकी डूंगरी चाकसू द्वारा कोरोना की आपात स्थिति में ज़रूरत मंद लोगो कि सहायता के लिए दो लाख इक्यावन हजार रुपये का चेक चाकसू के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी व उपखण्ड अधिकारी ओमप्रकाश सहारण एवं विकास अधिकारी बृजेन्द्र सिंह धाकड़ की उपस्थिति में चेक भेंट किया गया इस अवसर पर सिकोईडिकोन मुख्यालय जयपुर से सीताराम सैनी, भंवर लाल जाट एवं राजस्थानी महिला सहकारी समिति के महेश शर्मा, सीताराम जाट, सेवाभावी कार्यकर्ता बंटी पारीक, रमन खण्डेलवाल, अवध शर्मा आदि मोजूद थे। यह सहायता चाकसू रिलीफ़ फंड कोविड-19 सहायता कोष में प्रदान की गई है। सिकोईडिकोन संस्था सचिव श्रीमती मंजू बाला जोशी ने बताया कि लॉकडाउन के समय से ही संस्था द्वारा जयपुर, टोंक, बारां व अलवर आदि जिलों में ज़रूरत मंद परिवारों को खाद्यान्न सामग्री भी वितरित कि जा रही है।

सिकोईडिकोन

सिकोईडिकोन (सेन्टर फोर कम्यूनिटी इकानामिक्स एण्ड डवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी) एक गैर सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी। यह संगठन समाज के निर्धन और वंचित वर्गों की क्षमता निर्माण के कार्य के प्रति समर्पित है। संस्था कृषि, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, जलवायु परिवर्तन से जुड़े विकास के विभिन्न मुद्दों पर राजस्थान के 11 जिलों में कार्य कर रही है। सिकोईडिकोन के प्रयासों और पहलों का दायरा राजस्थान में सहभागी समुदायों की क्षमता का निर्माण करने से लेकर राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर रचनात्मक संवाद के मंच तैयार करने तक फैला हुआ है। अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में सिकोईडिकोन अपने बाह्य एवं सहयोगी संगठनों की भागीदारी से कार्य करता है। सतत् विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों की पैरवी करते हुए सिकोईडिकोन राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करने वाले नीति सम्बन्धी मुद्दों को आगे बढ़ाने हेतु भी प्रयासरत है।

शैक्षणिक, सीमित व निजी प्रसार हेतु प्रकाशित :-

सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी
स्वराज परिसर, एफ-159-160, औद्योगिक व संस्थागत क्षेत्र
सीतापुरा, जयपुर-302022 (राज.)
फोन : 0141-2771488
फैक्स : 0141-2770330
ई-मेल : cecoedecon@gmail.com
वेबसाईट : www.ceocedecon.org.in

संरक्षक : श्रीमती मंजू जोशी
संपादक : डॉ. आलोक व्यास
ग्राफिक्स : रामचन्द्र शर्मा व भँवरलाल जाट

BOOK POST